स्वच्छता समाचार

खंड 5 | अंक 37

श्री सी. आर. पाटिल
माननीय केंद्रीय मंत्री की कलम से

स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि जनभागीदारी का आंदोलन होना चाहिए। उन नवाचारों पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए जो लोगों की सक्रिय भागीदारी को बढ़ाते हैं और गांवों में स्थायी स्वच्छता परिणामों को दर्शाते हैं। जनभागीदारी के माध्यम से स्वच्छ और स्वस्थ भारत के लिए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के संकल्प को और सुदृढ़ करने के लिए, हम पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे हैं।

सी. आर. पाटिल 14 जुलाई 2026 को 'X' पर

श्री वी. सोमण्णा
माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री की कलम से

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) में नवाचार के माध्यम से स्वच्छता को फिर से परिभाषित करना जारी है। मंगलुरु में कर्नाटक का पहला ड्राई वेस्ट-टू-फ्यूल पेलेट प्लांट कचरे से कंचन का एक अद्भुत उदाहरण है, जो गैर-पुनर्चक्रण योग्य सूखे कचरे को उच्च कैलोरी ईंधन छर्रों में बदलता है, लैंडफिल की समस्या, परिवहन लागत को कम करता है और एक चक्रीय अर्थव्यवस्था को बल देता है। यह स्वच्छ भारत, आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत की दिशा में एक बड़ा कदम है।

वी. सोमण्णा 10 जुलाई 2026 को 'X' पर

श्री अशोक के. के. मीणा
सचिव की कलम से

पेयजल एवं स्वच्छता 73वें संविधान संशोधन के तहत पंचायती राज संस्थाओं को सौंपे गए विषय हैं। ग्रामीण जल आपूर्ति प्रणालियों के स्थायी प्रबंधन के लिए ग्राम पंचायतों को निधियों, कार्यों और संस्थाओं (3Fs) का प्रभावी ढ़ंग से हस्तांतरण आवश्यक है। महिलाओं, युवाओं और पूर्व सैनिकों की भागीदारी के साथ ग्राम जल और स्वच्छता समितियों (VWSCs) के माध्यम से सक्रिय सामुदायिक स्वामित्व, ग्रामीण पेयजल अवसंरचना की दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है।

सुजल ग्राम संवाद का 9वां संस्करण

श्रीमती ऐश्वर्या सिंह
संयुक्त सचिव और मिशन निदेशक

SBM(G) के तहत, राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को सलाह दी जाती है कि वे SLWM और स्वच्छता परिसंपत्तियों की कार्यशीलता का नियमित मूल्यांकन और अद्यतन सुनिश्चित करें, कार्यान्वयन में तेजी लाएं और पहचाने गए अंतराल को दूर करें। मिशन निदेशकों को सलाह दी जाती है कि वे कार्यान्वयन में तेजी लाने और प्रगति की बारीकी से निगरानी करने के लिए वर्ष के दौरान हर महीने कम से कम एक बार अपने-अपने स्तरों पर गहन समीक्षा करें।

DDWS की राष्ट्रीय समीक्षा बैठक, 2 जुलाई 2026

क. कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएं

महीने के अंत में किया गया अवलोकन

31 जुलाई 2026 तक

ODF PLUS MODEL

- ODF Plus (Model) घोषित गांव: **5.19 लाख से अधिक**
- ग्रेवाटर प्रबंधन की व्यवस्था वाले गांव: **5.62 लाख से अधिक**
- ठोस कचरा प्रबंधन की व्यवस्था वाले गांव: **5.36 लाख से अधिक**
- प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन इकाइयों से कवर ब्लॉक: **5569**
- गोबरधन के तहत, योजना के शुभारंभ के बाद से SBM(G) के तहत **1197** सामुदायिक/क्लस्टर स्तर के बायोगैस संयंत्रों का निर्माण किया गया है

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री ने नवसारी, गुजरात में SBM(G) के कार्यान्वियन की समीक्षा की

माननीय केंद्रीय जल शक्ति मंत्री ने स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के कार्यान्वियन का आकलन करने के लिए गुजरात के सूरत और नवसारी जिलों का समीक्षा दौरा किया।

माननीय जल शक्ति मंत्री ने 18 जुलाई 2026 को गुजरात के नवसारी में SBM(G) के कार्यान्वियन पर एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। संयुक्त सचिव और राष्ट्रीय मिशन निदेशक, SBM(G) सुश्री ऐश्वर्या सिंह द्वारा SBM(G) के तहत जिले की प्रगति पर एक प्रस्तुति दी गई। बैठक में जिला प्रशासन और SBM(G) से जुड़े अधिकारियों ने भाग लिया, जहां आगामी कार्य योजना के साथ ODF Plus (Model) स्थिति, ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन कवरेज, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन, मलीय गाद प्रबंधन अनुपालन और SWM नियम, 2026 पर संवेदीकरण जैसे प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों से संबंधित प्रगति पर चर्चा की गई। माननीय केंद्रीय मंत्री द्वारा SBM(G) और जल जीवन मिशन के तहत चल रही गतिविधियों पर मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

संयुक्त सचिव एवं प्रबंध निदेशक, SBM(G) ने वाराणसी का आधिकारिक दौरा किया

संयुक्त सचिव और राष्ट्रीय मिशन निदेशक, SBM(G), सुश्री ऐश्वर्या सिंह ने SBM(G) के कार्यान्वयन की प्रगति की समीक्षा करने के लिए 5 से 7 जुलाई 2026 तक उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले का आधिकारिक दौरा किया। इस दौरे की शुरुआत स्वच्छता कवरेज और कार्यक्रम की प्रगति का आकलन करने के लिए संभागीय आयुक्त, जिला मजिस्ट्रेट, मुख्य विकास अधिकारी और जिला SBM(G) टीम के साथ संपन्न हुई समीक्षा बैठक के साथ हुई। अधिकारियों को SWM नियम, 2026 के उचित कार्यान्वयन और माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए जागरूक किया गया। चोलापुर ब्लॉक में कैथी ग्राम पंचायत और सेवापुरी ब्लॉक में भीष्मपुर और पुरे ग्राम पंचायतों के दौरे के दौरान, सुश्री ऐश्वर्या सिंह ने SBM(G) की संपत्तियों जैसे सामुदायिक स्वच्छता परिसरों, अपशिष्ट संग्रह और पृथक्करण शेड, NADEP गड्ढे और सोख्ता गड्ढे, PWMU और ग्रामीण संसाधन केंद्रों की समीक्षा की। उन्होंने कार्यक्रम के तहत सामुदायिक भागीदारी, स्वच्छता सेवा प्रदायगी और प्रगति के लिए ग्राम प्रधानों, PRI प्रतिनिधियों, PWSC सदस्यों, SHG कार्यकर्ताओं और गांव के निवासियों के साथ भी बातचीत की।

इस यात्रा में डोर-टू-डोर कचरा संग्रह तथा ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन हस्तक्षेपों के कार्यान्वयन पर क्षेत्र-स्तरीय बातचीत भी शामिल थी। JS&MD ने गांव की गौशाला में स्थापित गोबरधन बायोगैस संयंत्र का दौरा किया, जहां उन्होंने प्लांट ऑपरेटर, ग्राम प्रधान और स्थानीय निवासियों के साथ बातचीत की।

अपने कार्यक्रमों के दौरान, सुश्री सिंह ने SWM नियम, 2026 के तहत ग्रामीण स्थानीय निकायों के विभिन्न प्रावधानों और जिम्मेदारियों पर चर्चा की। इस यात्रा का समापन रमना शहरी STP में 50 केएलडी क्षमता वाली मलीय कचरा सह-शोधन सुविधा के दौरे के साथ हुआ, जहां रमना और पड़ोसी ग्राम पंचायतों की मलीय कचरा का प्रबंधन सह-शोधन के माध्यम से किया जा रहा है।

ग. जुलाई 2026 में स्वच्छता पखवाड़ा

स्वच्छता पखवाड़ा 2026 कैलेंडर के अनुसार जुलाई में भाग लेने वाले मंत्रालय/विभाग

i. पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय	ii. पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय	iii. सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय
iv. प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग	v. सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय	vi. कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय
vii. सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय		

i. पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (MoES)

सत्यमेव जयते
Ministry Of Earth Sciences
Government of India

पृथ्वी भवन, नई दिल्ली में हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से स्वच्छता के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना।

श्रमदान गतिविधि जिसमें आस-पास के इलाके, सार्वजनिक शौचालय आदि की सफाई शामिल होगी।

INCOIS के कर्मचारियों ने INCOIS द्वारा संचालित वृक्षारोपण अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया। विभिन्न रंगों के लेगरस्ट्रोमिया स्पेसिओसा पौधे लगाए गए हैं।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (MoES) के सचिव के नेतृत्व में पृथ्वी भवन, नई दिल्ली में एक कार्यालय सफाई अभियान चलाया गया।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (MoES) के सचिव द्वारा 6.7.2026 को सुबह 9 बजे पृथ्वी भवन, नई दिल्ली में पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सभी कर्मचारियों को स्वच्छता शपथ दिलाई जाएगी।

INCOIS के कर्मचारियों द्वारा स्वच्छता शपथ। सभी कर्मचारियों ने भाग लिया और स्वच्छता शपथ ग्रहण की।

1 जुलाई से 15 जुलाई के दौरान पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय पृथ्वी भवन, नई दिल्ली के परिसर में स्वच्छता से संबंधित बैनरों का मुद्रण और प्रदर्शन।

स्वच्छता पखवाड़े को दर्शाने वाली जमीनी स्तर की कार्रवाई

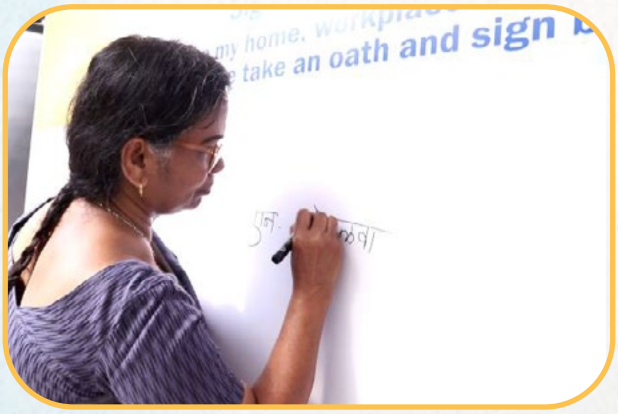

पृथ्वी भवन, नई दिल्ली में हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से स्वच्छता के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना

श्रमदान गतिविधि जिसमें आस-पास के इलाके, सार्वजनिक शौचालय आदि की सफाई शामिल होगी।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (MoES) के सचिव के नेतृत्व में पृथ्वी भवन, नई दिल्ली में एक कार्यालय सफाई अभियान चलाया गया।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (MoES) के सचिव द्वारा 6.7.2026 को सुबह 9 बजे पृथ्वी भवन, नई दिल्ली में पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सभी कर्मचारियों को स्वच्छता शपथ दिलाई जाएगी।

INCOIS के कर्मचारियों द्वारा स्वच्छता शपथ। सभी कर्मचारियों ने भाग लिया और स्वच्छता शपथ ग्रहण की।

1 जुलाई से 15 जुलाई के दौरान पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय पृथ्वी भवन, नई दिल्ली के परिसर में स्वच्छता से संबंधित बैनरों का मुद्रण और प्रदर्शन।

ग. जुलाई 2026 में स्वच्छता पखवाड़ा

ii. पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय (MoPNG)

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय
MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS

गेल खेड़ा क्षेत्र ने अपना स्वच्छता पखवाड़ा 2026 समापन समारोह आयोजित किया, जहां OIC मनोज अरोड़ा ने प्रतियोगिता विजेताओं को सम्मानित किया और हाउसकीपिंग स्टाफ को धन्यवाद दिया।

ONGC सिलचर दिवस 15 के अवसर पर ONGC सिलचर में समापन समारोह के आयोजन के साथ स्वच्छता पखवाड़ा 2026 का सफल समापन हुआ।

ONGC काकीनाडा ने 15 जुलाई को अपना स्वच्छता पखवाड़ा 2026 समापन समारोह आयोजित किया, जहां ईडी-एसेट मैनेजर प्रबल सेनगुप्ता ने प्रतियोगिता और डेस्क विजेताओं को सम्मानित किया।

ONGC त्रिपुरा एसेट ने अपना स्वच्छता पखवाड़ा 2026 समापन समारोह आयोजित किया, जहां ईडी-एसेट मैनेजर ने स्थानीय स्कूल चित्रांकन प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया।

CPCL स्वच्छता पखवाड़ा के समापन समारोह में 500 पौधे - एक पेड़ मां के नाम- अभियान और केंद्रीय राज्य मंत्री सुरेश गोपी के नेतृत्व में एक शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

CPCL ने माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री सुरेश गोपी, BPCL के सीएमडी और CPCL निदेशकों के साथ संध्या में समापन समारोह आयोजित किया, जहां माननीय मंत्री महोदय ने विजेता छात्रों को पुरस्कृत किया।

ONGC असम एसेट एक वृक्षारोपण अभियान का आयोजन ONGC असम एसेट द्वारा पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने और हरित क्षेत्र को बढ़ाने के लिए किया गया था।

ONGC मुंबई वृक्षारोपण और स्वच्छता अभियान का आयोजन ZP स्कूल, सखारे कोठारपाड़ा, दहानु, पालघार्ट में किया गया।

PLL कोच्चि ने एर्नाकुलम जिला कलेक्टर की मेजबानी की, जिन्होंने पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए टर्मिनल पर एक पौधा लगाया।

ONGC CBM एसेट बोकारो ने अपनी कार्यान्वयन एजेंसी हस्तशिल्प विकास संस्थान के माध्यम से स्कूल शौचालय की सफाई, मरम्मत और नवीनीकरण का कार्य पूरा किया।

OIDB ने 15 जुलाई को स्वच्छता पखवाड़ा 2026 का समापन किया, जिसमें सचिव ने छात्रों को कचरे से कला परियोजनाओं के लिए पुरस्कृत किया और सफाई मित्रों को सम्मानित किया।

स्वच्छता पखवाड़े के हिस्से के रूप में, टीम ने अंसल चैंबर, नई दिल्ली के पास एक कचरे के ढ़ेर को साफ किया, जिससे समुदाय के लिए स्वच्छ क्षेत्र पुनः उपलब्ध कराया गया।

ग. जुलाई 2026 में स्वच्छता पखवाड़ा

स्वच्छता पखवाड़े से संबंधित कैप्चर की गई जमीनी स्तर की कार्रवाई

गेल खेड़ा क्षेत्र ने अपना स्वच्छता पखवाड़ा 2026 समापन समारोह आयोजित किया, जहां OIC मनोज अरोड़ा ने प्रतियोगिता विजेताओं को सम्मानित किया और हाउसकीपिंग स्टाफ को धन्यवाद दिया।

ONGC सिलचर-दिवस 15 के अवसर पर ONGC सिलचर में समापन समारोह के आयोजन के साथ स्वच्छता पखवाड़ा 2026 का सफल समापन हुआ।

ONGC काकीनाडा ने 15 जुलाई को अपना स्वच्छता पखवाड़ा 2026 समापन समारोह आयोजित किया, जहां ईडी-एसेट मैनेजर प्रबल सेनगुप्ता ने प्रतियोगिता और डेस्क विजेताओं को सम्मानित किया।

ONGC त्रिपुरा एसेट ने अपना स्वच्छता पखवाड़ा 2026 समापन समारोह आयोजित किया, जहां ईडी-एसेट मैनेजर ने स्थानीय स्कूल चित्रांकन प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया।

CPCL स्वच्छता पखवाड़ा के समापन समारोह में 500 पौधे - एक पेड़ मां के नाम अभियान और माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री सुरेश गोपी के नेतृत्व में एक शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

CPCL ने माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री सुरेश गोपी, BPCL के सीएमडी और CPCL निदेशकों के साथ संध्या में समापन समारोह आयोजित किया, जहां माननीय मंत्री ने विजेता छात्रों को पुरस्कृत किया।

iii. सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वियन मंत्रालय (MoSPI)

Government of India
Ministry of Statistics and Programme Implementation

उत्तर प्रदेश के कार्यालिय परिसर के आस-पास वृक्षारोपण/हरित पहल।

कोलकाता के कार्यालिय परिसर के भीतर/आस-पास वृक्षारोपण/हरित पहल।

स्वच्छता पखवाड़े से संबंधित कैप्चर की गई जमीनी स्तर की कार्रवाई

उत्तर प्रदेश के कार्यालिय परिसर के आस-पास वृक्षारोपण/हरित पहल

कोलकाता के कार्यालिय परिसर के भीतर/आस-पास वृक्षारोपण/हरित पहल

iv. प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग (DARPG)

यह वृक्षारोपण नवयुग पब्लिक स्कूल, काली बाड़ी, नई दिल्ली में आयोजित किया गया था।

स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए कार्यालय परिसर के आस-पास के क्षेत्र में श्रमदान गतिविधि आयोजित की गई।

DARPG के कार्मिकों को स्वच्छता शपथ दिलाई गई।

स्वच्छता पखवाड़े से संबंधित कैप्चर की गई जमीनी स्तर की कार्रवाई

यह वृक्षारोपण नवयुग पब्लिक स्कूल, काली बाड़ी, नई दिल्ली में आयोजित किया गया था।

स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए कार्यालय परिसर के आस-पास के क्षेत्र में श्रमदान गतिविधि आयोजित की गई।

v. सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय (MSME)

कार्यालय परिसर और विद्युत उपकरणों की सफाई: विद्युत उपकरण, फिक्स्चर, स्विच और पैनल सहित कार्यालय परिसर की पूर्ण रूप से सफाई।

फाइलों का प्रबंधन और अभिलेखों की सफाई: पुरानी और अनावश्यक फाइलों की समीक्षा की गई, अभिलेखों को ठीक से व्यवस्थित किया गया, और फाइल रैक, अलमारियाँ, भंडारण आदि को व्यवस्थित किया गया।

मंत्रालय के संबद्ध कार्यालयों और अधीनस्थ संगठनों के सभी कर्मचारियों द्वारा वृक्षारोपण अभियान।

मंत्रालय के संबद्ध कार्यालयों और अधीनस्थ संगठनों के सभी कर्मचारियों द्वारा कचरा हटाना।

भारत भर में इस मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के अंतर्गत आने वाले संगठनों/विभागों को स्वच्छता पखवाड़े के महत्व के प्रति जागरूक करना।

मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा श्रमदान अभियान चलाया गया।

कार्यस्थल की देखरेख: कार्यस्थलों की सफाई, फाइलों, अभिलेखों और कागजों का व्यवस्थित प्रबंधन तथा कागज के उपयोग को कम करने के लिए कागज रहित परिपाटियों को बढ़ावा देना।

स्वच्छता की शपथ अपर सचिव एवं विकास आयुक्त डॉ. रजनीश द्वारा दिलाई गई।

मंत्रालय के संबद्ध कार्यालयों और अधीनस्थ संगठनों के सभी कर्मचारियों द्वारा स्वच्छता की शपथ।

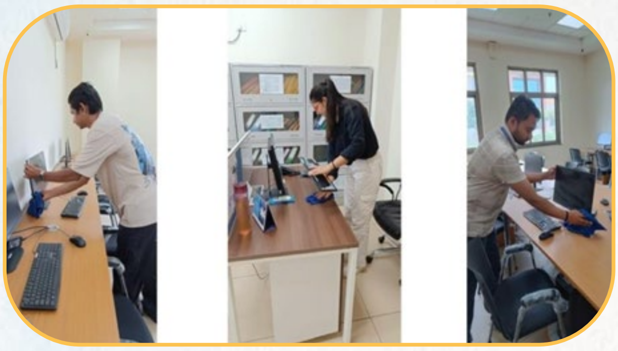

कार्यालय परिसर और विद्युत उपकरणों की सफाई: विद्युत उपकरण, फिक्स्चर, स्विच और पैनल सहित कार्यालय परिसर की पूर्ण रूप से सफाई

फाइलों का प्रबंधन और अभिलेखों की सफाई: पुरानी और अनावश्यक फाइलों की समीक्षा की गई, अभिलेखों को व्यवस्थित किया गया और फाइल रैक, अलमारियाँ, भंडारण आदि को सुव्यवस्थित किया गया।

vi. कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (MSDE)

सत्यमेव जयते
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT
& ENTREPRENEURSHIP

MSDE के कर्मचारियों के लिए स्वच्छता जागरूकता प्रतियोगिताएं (नारा प्रतियोगिता)।

कौशल भवन (MSDE) परिसर में वृक्षारोपण अभियान।

एकल उपयोग वाले प्लास्टिक पर अंकुश लगाने से संबंधित कार्यशाला और स्वच्छता विषय पर पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता।

MSDE के सचिव द्वारा मंत्रालय के सभी कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई।

MSDE के कर्मचारियों के लिए स्वच्छता जागरूकता प्रतियोगिताएं (नारा प्रतियोगिता)।

कौशल भवन (MSDE) परिसर में वृक्षारोपण अभियान

vii. सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय (MoSJ&E)

सत्यमेव जयते
Ministry of Social Justice and Empowerment

स्वच्छता और जागरूकता के विचारों पर आधारित निबंध लेखन प्रतियोगिता 24.07.2026 को कार्यालय के कर्मचारियों के बीच आयोजित की गई।

स्वच्छता पखवाड़े के दौरान पंडित दीनदयाल अंत्योदय भवन, सीजीओ कॉम्प्लेक्स के द्वार पर मूक अभिनय के माध्यम से स्वच्छता और साफ-सफाई के बारे में जागरूकता का प्रसार किया गया।

DEPwD के सम्मेलन कक्ष में 16 जुलाई, 2026 को विभाग के सभी उपस्थित कार्मिकों द्वारा स्वच्छता की शपथ ली गई और बैनर प्रदर्शित किए गए।

वेबसाइट/सोशल मीडिया पर स्वच्छता संदेश प्रदर्शित किए गए।

स्वच्छता और जागरूकता के विचारों पर आधारित निबंध लेखन प्रतियोगिता 24.07.2026 को कार्यालय के कर्मचारियों के बीच आयोजित की गई।

स्वच्छता पखवाड़े के दौरान पंडित दीनदयाल अंत्योदय भवन, सीजीओ कॉम्प्लेक्स के द्वार पर मूक अभिनय के माध्यम से स्वच्छता और साफ-सफाई के बारे में जागरूकता का प्रसार किया गया।

वित्त वर्ष 26-27 के लिए SBM(G) चरण II की प्रगति पर राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के साथ राष्ट्रीय समीक्षा

जल शक्ति मंत्रालय के पेयजल एवं स्वच्छता विभाग (DDWS) ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए SBM(G) चरण II की प्रगति पर राष्ट्रीय स्तर की दूसरी समीक्षा बैठक का आयोजन 29 जून से 3 जुलाई 2026 तक कई वर्चुअल समीक्षाओं के माध्यम से किया।

SBM(G) की संयुक्त सचिव एवं राष्ट्रीय मिशन निदेशक (JS&MD) सुश्री ऐश्वर्या सिंह की अध्यक्षता में आयोजित बैठकों में राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को एक साथ लाया गया ताकि प्रमुख कार्यक्रम प्राथमिकताओं में हुई प्रगति का मूल्यांकन किया जा सके, जिसमें ODF Plus (Model) घोषणाएं, लंबित सत्यापन का पूरा होना, ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन (SLWM) कवरेज, स्वच्छता संपत्तियों की कार्यशीलता, गोबरधन पहल और मिशन के तहत की गई वित्तीय प्रगति शामिल है।

वित्त वर्ष 2026-27 SBM(G) चरण II का अंतिम वर्ष होने के कारण, संयुक्त सचिव एवं मिशन निदेशक ने सुदृढ़ निगरानी और त्वरित कार्यान्वयन की आवश्यकता पर जोर दिया। राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को जिला स्तरीय समीक्षा करने, सर्वप्रथम लंबित कार्यों को पूरा करने और द्वितीय सत्यापन को समयबद्ध तरीके से पूरा करने और शेष गांवों में व्यापक अंतराल मूल्यांकन तथा समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित रूप से ODF Plus (Model) का दर्जा हासिल करने की सलाह दी गई।

इस समीक्षा में सामुदायिक स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन संपत्तियों की कार्यशीलता बनाए रखने, SBM(G)-IMIS पर रिपोर्टिंग में सुधार लाने, शौचालय के प्रकार संबंधी डेटा को अद्यतित करने और टिकाऊ स्वच्छता परिणामों का समर्थन करने के लिए मलीय कीचड़ प्रबंधन (FSM) अनुपालन की योजना बनाने के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया।

चर्चाओं में उपलब्ध वित्त पोषण स्रोतों के साथ प्रभावी समन्वय, कार्यक्रम निधि को समय पर जारी करना और उसका उपयोग करना तथा राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में गोबरधन परियोजनाओं के बेहतर कार्यनिष्पादन की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया।

राज्यों को SWM नियम 2026 के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने और स्वच्छतम पोर्टल के माध्यम से नियमित रिपोर्टिंग करने की भी सलाह दी गई। गुणवत्ता, स्थिरता और समयबद्ध प्रदायगी पर जोर देते हुए, DDWS ने सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों से SBM(G) चरण II के समापन वर्ष के दौरान गति बनाए रखने और कार्यक्रम लक्ष्यों को प्राप्त करने का आग्रह किया।

DDWS स्टॉप डायरिया अभियान 2026 के समर्थन में

जल शक्ति मंत्रालय के पेयजल एवं स्वच्छता विभाग (DDWS) ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के नेतृत्व में अन्य मंत्रालयों और विभागों के साथ सामंजस्य से चलाए गए राष्ट्रव्यापी 'स्वच्छ जल, समुचित उपचार – 'डायरिया से बचें हर बार' विषय के तहत चलाए गए 'स्टॉप डायरिया अभियान 2026' का समर्थन किया।

मानसून के मौसम में डायरिया जैसी बीमारियों को एक महत्वपूर्ण जन स्वास्थ्य चुनौती मानते हुए, इस अभियान ने विभिन्न क्षेत्रों में समन्वित कार्रवाई के माध्यम से स्वच्छता, साफ-सफाई और स्वच्छ पेयजल संबंधी उपायों पर ध्यान केंद्रित किया। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत, इस अभियान ने ग्राम पंचायत और ग्राम स्तर पर सहभागिता के माध्यम से स्वच्छ शौचालयों के उपयोग, ठोस, तरल और स्वच्छता संबंधी अपशिष्टों के सुरक्षित निपटान, साबुन से हाथ धोने और स्वच्छता एवं साफ-सफाई के बारे में सामुदायिक जागरूकता को बढ़ावा दिया।

अभियान का समर्थन करते हुए, DDWS ने राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को SBM(G) और जेजेएम के अंतर्गत स्वच्छता, साफ-सफाई और व्यवहारवादी परिवर्तन संचार, स्वच्छ पेयजल और जल गुणवत्ता निगरानी से संबंधित केंद्रित गतिविधियाँ चलाने की सलाह दी। राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों को समन्वय बैठकें आयोजित करने, सूक्ष्म योजनाएँ तैयार करने, स्वच्छता अवसंरचना और जल आपूर्ति का आकलन करने और ग्राम पंचायतों और ग्राम जल एवं स्वच्छता समितियों (VWSCs) की सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया गया। स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा, ग्रामीण विकास और पंचायती राज विभागों के समन्वय से जागरूकता संबंधी गतिविधियाँ चलायी गईं, क्षमता निर्माण प्रयास किए गए और व्यवहारवादी परिवर्तन संचार संबंधी पहलें भी की गईं।

कचरे से कंचन सीतामढ़ी ने एकल-उपयोग प्लास्टिक को सार्वजनिक अवसंरचना में कैसे परिवर्तित किया

बिहार के सीतामढ़ी जिले ने स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत जिला जल एवं स्वच्छता समिति (DWSC), सीतामढ़ी और राय इंडस्ट्रीज के बीच सरकारी-निजी भागीदारी के माध्यम से एकल-उपयोग प्लास्टिक (SUP) प्रबंधन का एक मॉडल विकसित किया है। इस पहल के अंतर्गत, बाजपत्ती, रन्नीसैदपुर, दुमरा और रीगा ब्लॉकों में स्थित प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन इकाइयों (PWMUs) में एकत्रित और संसाधित एकल-उपयोग प्लास्टिक को वैज्ञानिक रूप से पुनर्चक्रित किया जाता है और बेंच, डेस्क और रैक जैसे सार्वजनिक उपयोग के फर्नीचर में परिवर्तित किया जाता है। यह पहल PWMU में संचित एकल-उपयोग प्लास्टिक की चुनौती का समाधान करती है, जिससे अपशिष्ट के लिए एक बाजार का निर्माण होता है, जिसके लिए पहले पुनर्चक्रण के सीमित विकल्प थे।

यह मॉडल प्लास्टिक कचरे के संग्रहण, पृथक्करण और एकत्रीकरण के लिए मौजूदा एसबी-एम(जी) प्रणाली को निजी क्षेत्र के पुनर्चक्रण और विनिर्माण के साथ जोड़ता है। कार्यान्वयन के पहले चरण में, बाजपत्ती PWMU में एकत्रित लगभग 4,000 किलोग्राम एकल-उपयोग प्लास्टिक को पुनर्चक्रित करके लगभग 85 बेंच और डेस्क बनाए गए, जिन्हें सरकारी स्कूलों, पार्कों और अन्य सार्वजनिक संस्थानों में स्थापित किया गया है। इस मॉडल में उस प्लास्टिक को वैज्ञानिक पुनर्चक्रण और मूल्यवर्धन के माध्यम से सार्वजनिक उपयोग की परिसंपत्तियों में परिवर्तित कर दिया गया है जो अलग भंडारण में रखा रहता।

26 जुलाई 2026 को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' के 136वें एपिसोड में सीतामढ़ी की पहल को "कचरे से कंचन" के उदाहरण के रूप में उजागर किया। यह मॉडल दर्शाता है कि SBM(G) के तहत 6 रिड्यूस, रियूज और रिसायकल के सिद्धांतों का समर्थन करते हुए कैसे एकल-उपयोग प्लास्टिक को एक संरचित संग्रहण, पुनर्चक्रण और विनिर्माण श्रृंखला से जोड़ा जा सकता है।

हरियाणा स्वच्छता सप्ताह 2026

हरियाणा राज्य स्वच्छ भारत मिशन ने एक सप्ताह के अभियान के रूप में 14 से 20 जुलाई 2026 तक हरियाणा स्वच्छता सप्ताह 2026 का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य राज्य भर में समुदाय-आधारित स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन की परिपाटियों को मजबूत करना था। इस अभियान में स्वच्छता शपथ और स्कूलों की भागीदारी के लिए पारिवारिक संपर्क, स्रोत पर चार-स्तरीय पृथक्करण, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन, श्रमदान गतिविधियों और ग्रामव्यापी स्वच्छता अभियान जैसे विभिन्न विषय शामिल थे। ग्राम पंचायतों, स्कूलों, सार्वजनिक संस्थानों और ग्रामीण समुदायों में नागरिकों, युवाओं, स्थानीय प्रतिनिधियों और स्वच्छता कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी के साथ गतिविधियाँ कार्यान्वित की गईं।

इस अभियान के दौरान, ज़िलों में जागरूकता सत्र, स्वच्छता चौपाल, अपशिष्ट पृथक्करण प्रदर्शन, प्लास्टिक संग्रहण अभियान, स्कूली प्रतियोगिताएँ और सामुदायिक सफाई गतिविधियाँ आयोजित की गईं। इस पहल से हज़ारों परिवारों और संस्थानों तक पहुँच बनी, बड़े पैमाने पर जनभागीदारी की लामबंदी हुई, स्रोतों से चार प्रकार अपशिष्ट पृथक्करण और घर-घर जाकर अपशिष्ट संग्रहण को बढ़ावा दिया गया, और अंततः ग्राम स्वच्छता संकल्पों को अपनाया गया और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता बनाए रखने में उनके योगदान के लिए स्वच्छता चैंपियनों को सम्मानित किया गया।

वास्तविक समय में स्वच्छता की निगरानी के लिए छत्तीसगढ़ का शुचि ऐप

छत्तीसगढ़ ने ग्रामीण स्वच्छता संसाधनों की दीर्घकालिक कार्यशीलता और स्थिरता को सुनिश्चित करने के लिए शुची ऐप नामक एक डिजिटल निगरानी मंच विकसित किया है। यह एप्लिकेशन जियो-टैग किए गए फील्ड निरीक्षणों और स्वच्छता संबंधी अवसंरचना के वास्तविक समय मूल्यांकन को सक्षम बनाता है, जिसमें व्यक्तिगत पारिवारिक शौचालय (IHHLs), सामुदायिक स्वच्छता परिसर (CSC), ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन (SLWM) प्रणाली, मलीय कीचड़ शोधन संयंत्र (FSTP) और प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन इकाइयाँ (PWMU) शामिल हैं। अवसंरचना की कार्यशीलता पर ध्यान केंद्रित करके, यह मंच साक्ष्य-आधारित योजना और सतत सेवा प्रदायगी में सहायता करता है।

SBM(G) के अंतर्गत एक संरचित डिजिटल निगरानी ढांचे के माध्यम से इस ऐप को पूरे राज्य में लागू किया गया है। फील्ड कार्यकर्ता मोबाइल एप्लिकेशन का उपयोग करके निरीक्षण करते हैं, जिसमें फ़ोटो, जीपीएस निर्देशांक और कार्यशीलता संकेतक एकत्र किए जाते हैं, जिन्हें जिला और राज्य अधिकारियों द्वारा निगरानी के लिए एक केंद्रीकृत डैशबोर्ड पर अपलोड किया जाता है। इस पहल ने ODF Plus (Model) की उपलब्धियों की निरंतर निगरानी, गैर-कार्यशील परिसंपत्तियों की समय पर पहचान और प्रभावी अवसंरचना प्रबंधन में योगदान दिया है। शुची ऐप इसलिए भी अद्वितीय है क्योंकि यह ग्रामीण स्वच्छता निगरानी को निर्माण-आधारित रिपोर्टिंग से कार्यशीलता-आधारित निगरानी में बदल देता है।

त्रिपुरा में आयोजनों और सामुदायिक उपयोग के लिए पोर्टेबल बायो-टॉयलेट

पोर्टेबल सोलर पावर से चलने वाला बायो-टॉयलेट मेलों और आयोजनों के दौरान 150 से 300 उपयोगकर्ताओं के लिए स्वच्छता सुविधाएं प्रदान करता है और इसे जल-दक्षता प्रणाली के माध्यम से आसानी से एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाया जा सकता है और संस्थापित किया जा सकता है।

स्वयं सहायता समूह (SHG) द्वारा प्रबंधित यह मॉडल राजस्व-आधारित संचालन और रखरखाव तंत्र के माध्यम से सालाना 20 से अधिक आयोजनों में संचालित होता है, जिसमें प्रति आयोजन गाद निकालने की लागत लगभग 2,000 रुपये है।

जब यह आयोजनों में संस्थापित नहीं होता है, तो इसे ब्लॉक कार्यालय में उपयोग किया जाता है, जहाँ प्रतिदिन 35 से 40 उपयोगकर्ता इसका लाभ उठाते हैं। यह प्रणाली एक्वा प्रिवी सिस्टम के माध्यम से सुरक्षित रूप से कीचड़ निकालने और वैज्ञानिक मल-मूत्र प्रबंधन को एकीकृत करती है, जिसके परिणामस्वरूप कम रखरखाव की आवश्यकता होती है और 93% तक लागत की बचत होती है, साथ ही इससे साफ-सफाई और महिला-नेतृत्व वाले प्रबंधन को बढ़ावा मिलता है।

उत्तराखंड का सिरासु गांव स्वच्छता बनाए रखने के लिए पर्यटन राजस्व को बढ़ावा देता है।

उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिले के यमकेशवर ब्लॉक में स्थित सिरासु गांव ने सफाई और स्वच्छता के प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए राजस्व आधारित मॉडल विकसित किया है। फोटोग्राफी और पर्यटन स्थल के रूप में गांव की लोकप्रियता बढ़ाने के साथ ही, ग्राम पंचायत ने 2018 में एक प्रणाली शुरू की जिसके तहत प्री-वेडिंग फोटोशूट के लिए 1,000 रुपये का शुल्क लिया जाता है। इन आयोजनों के लिए आवश्यक टेंट, लाइट, साउंड उपकरण और अन्य सामग्री के किराए से अतिरिक्त आय प्राप्त होती है। इसके कार्यान्वियन के बाद से, इस पहल ने अन्य राजस्व स्रोतों के साथ मिलकर लगभग 50 लाख रुपये जुटाए हैं, जिससे स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन के बुनियादी ढांचे के रखरखाव में सहायता मिल रही है।

SBM(G) के अंतर्गत संसाधनों और पर्यटकों से एकत्रित धन का उपयोग करते हुए, ग्राम पंचायत ने बायो-डाइजेस्टर शौचालयों और सामुदायिक शौचालयों का निर्माण किया है, 24 नाडेप कम्पोस्ट गड्ढे विकसित किए हैं, दो बायो-गैस संयंत्र स्थापित किए हैं और चार प्लास्टिक अपशिष्ट संग्रहण केंद्र स्थापित किए हैं। नियमित स्वच्छता गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए, एक पूर्णकालिक स्वच्छता दूत नियुक्त किया गया है, जिसका वेतन प्राप्त धन से दिया जाता है। ग्राम पंचायत ने स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन पर जागरूकता अभियान भी चलाए हैं और प्राप्त धन का उपयोग निवासियों और पर्यटकों के लिए स्थानीय सुविधाओं को बेहतर बनाने में किया है।

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण)

स्वच्छता क्रॉसवर्ड

निर्देश
नीचे दिए गए संकेतों का उपयोग करके क्रॉसवर्ड को भरें। गहरे रंग के वर्ग बंद स्थान हैं।

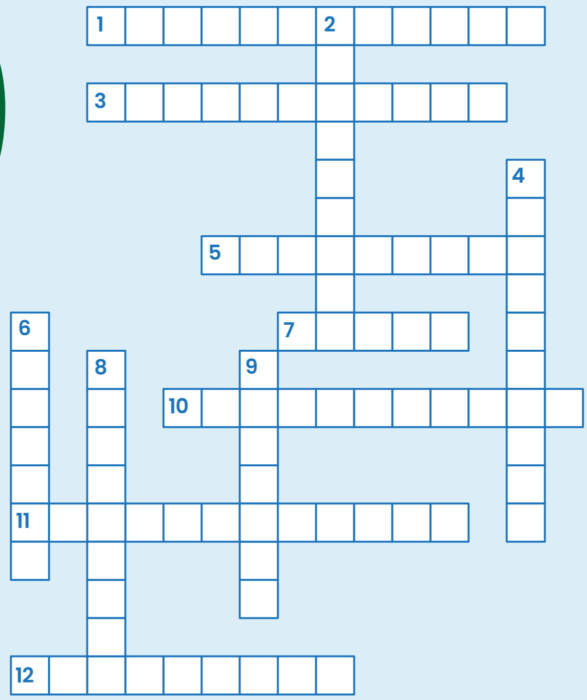

आर-पार →

1. ODF Plus के अंतर्गत उपलब्धि की सर्वोच्च श्रेणी।
3. अपशिष्ट की विभिन्न श्रेणियों को स्रोत पर ही अलग करने की परिपाटी।
5. पशुओं के गोबर और जैविक कचरे को उपयोगी संसाधनों में परिवर्तित करने की पहल।
7. उपयोग के बाद फेंकी जाने वाली सामग्री।
10. सामग्रियों का रियूज, रिपेयर और रिसाईक्लींग करके उन्हें उपयोग में बनाए रखना।
11. ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को नियंत्रित करने वाले नए नियम। (3, 5, 4)
12. स्थानीय संस्था जो ग्राम स्वच्छता में केंद्रीय भूमिका निभाती है।

नीचे ↓

2. स्वच्छ भारत मिशन के मूल में निहित भावना।
4. साफ-सफाई और सार्वजनिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने वाली प्रणालियाँ और परिपाटियाँ।
6. बायो-डिग्रेडेबल अपशिष्ट के अपघटन से उत्पादित खाद।
8. साफ-सफाई के लिए सामूहिक रूप से की गई स्वैच्छिक सामुदायिक सेवा।
9. स्वच्छ भारत मिशन का ग्रामीण घटक।

स्वच्छ भविष्य की शुरुआत हमारे आज के कार्यों से होती है।

उत्तर:
1. ODF Plus
2. Swachhata
3. Segregation
4. Sanitation
5. GOBARdhan
6. Compost
7. Waste
8. Shramdaan
9. Grameen
10. Circular Economy
11. SWM Rules
12. Gram Panchayat

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग
जल शक्ति मंत्रालय
DEPARTMENT OF DRINKING WATER AND SANITATION
MINISTRY OF JAL SHAKTI

सत्यमेव जयते

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

स्वच्छता समाचार के अगले अंक में योगदान करने के लिए,
हर महीने की 15 तारीख से पहले अपने विचार साझा करें sbmiec.ddws@gmail.com

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग
जल शक्ति मंत्रालय
भारत सरकार
DEPARTMENT OF DRINKING WATER AND SANITATION
MINISTRY OF JAL SHAKTI
GOVERNMENT OF INDIA
सत्यमेव जयते

विशेष सचिव का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, जल शक्ति मंत्रालय
भारत सरकार।

चौथी मंजिल, पंडित दीनदयाल अंत्योदय भवन, CGO कॉम्प्लेक्स
लोधी रोड, नई दिल्ली - 110003
फ़ोन: 011-24362192 | ईमेल: js-sbm@gov.in